उन्होंने मुहम्मद के बारे में क्या कहा (3 का भाग 1)

रेटिंग:

विवरण:

श्रेणी: लेख इस्लाम के फायदे इस्लाम, मुहम्मद और क़ुरआन के बारे में दूसरे लोग क्या कहते हैं

श्रेणी: लेख पैगंबर मुहम्मद उनकी विशेषताएं

द्वारा: iiie.net (edited by IslamReligion.com)

पर प्रकाशित: 04 Nov 2021

अंतिम बार संशोधित: 09 Oct 2022

सदियों के धर्मयुद्ध के दौरान, पैगंबर मुहम्मद (ईश्वर की दया और कृपा उन पर बनी रहे) के खिलाफ सभी प्रकार की बदनामी की साज़िश रची गई थी। आधुनिक युग की शुरुआत और धार्मिक सहिष्णुता और विचार की स्वतंत्रता के साथ, उनके जीवन और चरित्र के चित्रण में पश्चिमी लेखकों के दृष्टिकोण में एक बड़ा बदलाव आया है। नीचे दिए गए पैगंबर मुहम्मद के बारे में कुछ गैर-मुस्लिम विद्वानों के विचार इस राय को सही ठहराते हैं।

मुहम्मद के बारे में सबसे बड़ी वास्तविकता की खोज के लिए पश्चिमी लोगों को अभी और जानना बाकी है, और वह है पूरी मानवता के लिए ईश्वर का सच्चा और अंतिम पैगंबर होना। अपनी सारी निष्पक्षता और ज्ञानोदय के बावजूद पश्चिमी लोगों ने मुहम्मद की पैगंबरी को समझने के लिए कोई ईमानदार और उद्देश्यपूर्ण प्रयास नहीं किये। यह कितना अजीब है कि उनकी ईमानदारी और उपलब्धि के लिए उन्हें बहुत ही भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी जाती है, लेकिन ईश्वर के पैगंबर होने के उनके दावे को स्पष्ट रूप से और परोक्ष रूप से खारिज कर दिया गया है। इसके लिए हृदय से खोजने की आवश्यकता है, और यदि तथाकथित निष्पक्षता की आवश्यकता है तो समीक्षा करें। मुहम्मद के जीवन से निम्नलिखित चकाचौंध तथ्यों को उनकी पैगंबरी के बारे में एक निष्पक्ष, तार्किक और उद्देश्यपूर्ण निर्णय की सुविधा के लिए प्रस्तुत किया गया है।

चालीस वर्ष की आयु तक मुहम्मद एक राजनेता, उपदेशक या वक्ता के रूप में नहीं जाने जाते थे। उन्हें कभी भी तत्वमीमांसा, नैतिकता, कानून, राजनीति, अर्थशास्त्र या समाजशास्त्र के सिद्धांतों पर चर्चा करते नहीं देखा गया। ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे लोग भविष्य में उनसे कुछ महान और क्रांतिकारी कार्य की उम्मीद कर सके। लेकिन जब वह एक नए संदेश के साथ हीरा की गुफा से बाहर आए, तो वह पूरी तरह से रूपांतरित हो गए थे। क्या उपरोक्त गुणों वाले ऐसे व्यक्ति के लिए यह संभव है कि वह अचानक 'एक ढोंगी' में बदल जाए और खुद को ईश्वर का पैगंबर होने का दावा करे और इस तरह अपने लोगों के क्रोध का सामना करे? कोई यह पूछ सकता है कि किस कारण से उन्होंने अपने ऊपर थोपी गई सभी कठिनाइयों का सामना किया? उनके लोगों ने उनसे कहा कि वो उन्हें अपने राजा के रूप में स्वीकार करेंगे और कीमती भूमि को उनके चरणों में रख देंगे यदि वह केवल अपने धर्म का उपदेश छोड़ दें तो। लेकिन उन्होंने उनके लुभावने प्रस्तावों को ठुकरा दिया और अपने ही लोगों द्वारा सभी प्रकार के अपमान, सामाजिक बहिष्कार और यहां तक कि शारीरिक हमलों का सामना करते हुए अकेले ही अपने धर्म का प्रचार करना जारी रखा। यह सिर्फ ईश्वर का समर्थन और ईश्वर के संदेश का प्रसार करने की उनकी दृढ़ इच्छा और उनका पक्का विश्वास ही था कि अंततः इस्लाम मानवता के लिए जीवन का एकमात्र तरीका बनकर उभरा, और वह उनको मिटाने के सभी विरोधों और साजिशों के सामने पहाड़ की तरह खड़े रहे। इसके अलावा, अगर वह ईसाइयों और यहूदियों के साथ प्रतिद्वंद्विता के लिए आये थे, तो उन्हें यीशु और मूसा और ईश्वर के अन्य पैगंबरो (उन पर शांति हो) में विश्वास क्यों किया, आस्था की एक बुनियादी आवश्यकता जिसके बिना कोई भी मुसलमान नहीं बन सकता।

क्या यह उनकी पैगंबरी का अकाट्य प्रमाण नहीं है कि अशिक्षित होने के बावजूद और चालीस वर्षों तक एक बहुत ही सामान्य और शांत जीवन जीने के बाद, जब उन्होंने अपने संदेश का प्रचार करना शुरू किया, तो पूरा अरब उनकी अद्भुत वाक्पटुता और वक्तृत्व पर विस्मय और आश्चर्य से भर गया? यह इतना बेजोड़ था कि अरब कवियों, प्रचारकों और उच्चतम क्षमता वाले वक्ताओं की पूरी सेना उनके समकक्ष आने में विफल रही और सबसे बढ़कर, वह क़ुरआन में निहित वैज्ञानिक प्रकृति के सत्य का उच्चारण ऐसे करते थे जो उस समय किसी भी मनुष्य द्वारा नहीं किया जा सकता था?

अंत मे लेकिन आखिरी नही, सत्ता और अधिकार प्राप्त करने के बावजूद उन्होंने एक कठिन जीवन क्यों जिया? मरते समय उनके द्वारा कहे गए शब्दों पर जरा विचार करें:

"हम नबियों के समुदाय को यह विरासत में नहीं मिली है। हम जो कुछ भी छोड़ के जाते हैं वह दान के लिए है।"

तथ्य की बात करें तो, मुहम्मद इस ग्रह पर मानव जीवन की शुरुआत के बाद से विभिन्न भूमि और समय में भेजे गए पैगंबरों की श्रृंखला के अंतिम पैगंबर है। इसके बाद के भागों में मुहम्मद के बारे में कुछ गैर-मुस्लिम लेखकों के लेख के बारे मे बताया जायेगा।

इस लेख का वेब पता:

https://www.islamreligion.com/hi/articles/196

कॉपीराइट © 2006-2020 सभी अधिकार सुरक्षित हैं। © 2006 - 2023 IslamReligion.com. सभी अधिकार सुरक्षित हैं।